

SA-05

June - Examination 2019

B.A. Pt. III Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA-05**Time : 3 Hours]****[Max. Marks :- 70**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A**7 × 2 = 14**

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

(खण्ड - 'अ')

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में कुल कितने अंक हैं।

- (ii) अभिज्ञान किसे कहते हैं?
- (iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अनुसार विदूषक का क्या नाम है?
- (iv) "अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात्संज्ञतं रहः" अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अनुसार यह कथन किसका है?
- (v) आश्वपतम् पद में कौनसा प्रत्यय है?
- (vi) प्रत्यय किसे कहते हैं?
- (vii) विद्वस् शब्द में व का सम्प्रसारण किस सूत्र से हुआ है?

Section - B

4 × 7 = 28

(Short Answer Questions)

लघूत्तरात्मक वाले प्रश्न

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 7 marks.

(खण्ड - ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(अ) ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने बद्धदृष्टिः

पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्

दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा,

पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्या प्रयाति।।

अथवा

(ब) शमप्रधानेषु तपोधनेषु

गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।

स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता -

स्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति॥

- 3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के आधार पर शार्ङ्ग एवं शारद्वत का संक्षिप्त परिचय दजिए ?
- 4) 'तत्र रम्या शकुन्तला' इस पंक्ति के आलोक में अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए ?
- 5) निम्न में से किन्हीं दो सूत्रों को सोदाहरण सिद्ध कीजिए -

(अ) कर्मण्यण	(ब) नन्दिग्राहिपचादिभ्योऽल्युण्यच्
(स) ऋदोरप्	(द) स्त्रीभ्यो ढक्
- 6) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों की सिद्धि कीजिए -

(क) कारकः ।	(ख) पाकः ।
(ग) दुष्करः ।	(घ) स्मारं स्मारं ।
- 7) "भवति" धातुरूप की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए ?
- 8) अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक की क्या विशेषता है? स्पष्ट कीजिए ?
- 9) तरप् एवं ईयसुन् प्रत्यय को सूत्र सहित स्पष्ट कीजिए।

Section - C**2 × 14 = 28**

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 14 marks.

(खण्ड - स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

- 10) "काव्येषु नाटक रम्यम्" इस कथन के आधार पर अभिज्ञानशाकुन्तलं नाटक की समीक्षा कीजिए?
- 11) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र चित्रण कीजिए?
- 12) महाकवि कालिदास के काल परिचय पर एक लेख लिखिए?
- 13) "वा बहुनां जातिप्रश्ने डतम् च" इस सूत्र की व्याख्या रूपसिद्धिपूर्वक सोदाहरण कीजिए?
